http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 81

प्रयागराज शनिवार 07 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

दक्षिणी दिल्ली के होटल में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। अधिकारी ने कहा, ''हमें ग्रेटर कैलाश इलाके में स्थित 'हमारा होटल' में आग लगने के संबंध में सुबह साढ़े नौ बजे सूचना मिली और हमने तुरंत दमकल के चार वाहनों को मौके पर भेज दिया।'' आग पर नियंत्रण पा लिया गया है। दक्षिणी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश इलाके में स्थित एक होटल में शुक्रवार की सुबह आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अग्निकांड में किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी ने कहा, ''हमें ग्रेटर कैलाश इलाके में स्थित 'हमारा होटल' में आग लगने के संबंध में सुबह साढ़े नौ बजे सूचना मिली और हमने तुरंत दमकल के चार वाहनों को मौके पर भेज दिया।'' आग पर नियंत्रण पा लिया गया है।भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, बुधवार रात की तुलना में इसमें भारी गिरावट आई है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने आंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें दी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। जनजातीय अनुसंधान एवं विकास केंद्र, रायरंगपुर, दंडबोस हवाई अड्डा, रायरंगपुर और उप–मंडल अस्पताल, रायरंगपुर सहित विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार बी आर आंबेडकर की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को यहां उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति मुर्मू ओडिशा के पांच दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने यहां एजी स्क्वायर पहुंचकर आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी और फिर मयूरभंज जिले के उपरबेड़ा स्थित अपने पैतृक गांव के लिए रवाना हो गईं। मुर्मू का उपरबेड़ा सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय जाने का भी कार्यक्रम है, जहां से उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा ली थी। राष्ट्रपति छात्रों और ग्रामीणों से बातचीत करेंगी। वह महिला महाविद्यालय, रायरंगपुर की छात्राओं और शिक्षकों से भी बातचीत करेंगी। राष्ट्रपति शनिवार को बांगिरिपोसी–गोरुमहिसानी, बुरामारा–चाकुलिया और बादामपहाड़–केंदुझारगढ़ रेल लाइनों, जनजातीय अनुसंधान एवं विकास केंद्र, रायरंगपुर, दंडबोस हवाई अड्डा, रायरंगपुर और उप–मंडल अस्पताल, रायरंगपुर सहित विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगी।

सीएम योगी ने गुरु तेग बहादुर को दी श्रद्धांजलि, बोले....

उन्होंने आक्रांताओं से सनातन की रक्षा की

- सनातन धर्म की रक्षा के लिए सदैव आगे रहे सिख पंथ के अनुयायी: सीएम योगी
- गुरु जी ने कश्मीरी पंडितों को एक नया जीवन दिया था
- वह भारत की रक्षा के लिए अपने आपको बलिदान करने से पीछे नहीं हटे

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिख पंथ के अनुयायियों ने अपनी साधना और सामर्थ्य से अपने कौम के साथ–साथ पूरे देश को और पूरे सनातन धर्म को न केवल सुरक्षा प्रदान की बल्कि एक लंबे समय के लिए उन्हें अभय भी प्रदान किया। यहियागंज गुरुद्वारा में गुरु परंपरा के नवम गुरु श्री तेग बहादुर जी महाराज के बलिदान दिवस पर सीएम योगी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सीएम योगी ने उनके बलिदान और स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि गुरु तेग बहादुर जी महाराज ने उस समय कश्मीर को बचाया था जब वहां के सनातन धर्मावलंबियों को विदेशी आक्रांताओं द्वारा धर्म परिवर्तन करने का आदेश मिला था। गुरु जी ने कश्मीरी पंडितों को एक नया जीवन दिया था मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने कश्मीरी पंडितों को एक नया जीवन दिया था। धर्म परिवर्तन के आदेश के बाद सुरक्षा के लिए भटक रहे कश्मीरी पंडितों को न सिर्फ नया जीवन दिया था, बल्कि उनसे कहा था कि अत्याचारियों से कह दो कि पहले हमारे गुरु को इस्लाम स्वीकार कराओ। गुरु तेग बहादुर ने हमेशा देश और धर्म को प्राथमिकता दी और किसी विदेशी आक्रांता के सामने सिर नहीं झुकाया। श्री योगी ने कहा कि वह कैसा कालखंड रहा होगा जब एक विदेशी आक्रांता बाबर देश के अंदर अत्याचार कर रहा था, उसके खिलाफ गुरु नानक देव जी ने आवाज उठाई थी। सीएम ने कहा कि इतिहास के उन पन्नों को कौन नहीं जानता है जब भक्ति की इस परंपरा से ऊपर उठकर उन्होंने समय के साथ तात्कालिक समाज को एक नई दिशा देने का काम किया था। वहां से चलकर हम शहादत और बलिदान की एक सुदृढ़ नियम को आगे बढ़ाते हुए गुरु गोविंद सिंह महाराज तक पहुंचे। वह भारत की रक्षा के लिए अपने आपको बलिदान करने से पीछे नहीं हटे सीएम योगी ने कहा वह शक्ति का एक दिव्य पुंज बन करके न केवल सनातन धर्म की रक्षा के लिए बल्कि भारत की रक्षा के लिए अपने आपको बलिदान करने से पीछे नहीं हटे।

बाबासाहेब के आदर्शों और विचारों की रक्षा करने की जरूरतः खरगे

नयी दिल्ली,(एजेंसी)।खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बाबासाहेब डॉ. आम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर, हम संविधान और सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।'' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर शुक्रवार को कहा कि बाबासाहेब के आदर्शों और विचारों की रक्षा करना आज के दौर की सख्त जरूरत है। खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बाबासाहेब डॉ. आम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर, हम संविधान और सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।'' उन्होंने कहा कि बाबासाहेब ने अपना पूरा जीवन स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और न्याय के लोकतांत्रिक मूल्यों की वकालत करने के लिए समर्पित कर दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''उनके आदर्शों और विचारों के साथ–साथ राष्ट्र – भारत के संविधान – के लिए उनके सर्वोत्तम योगदान की रक्षा, संरक्षण और सुरक्षा करना समय की सख्त जरूरत है।'' आम्बेडकर की पुण्यतिथि को हर साल छह दिसंबर को महापरिनिर्वाण दिवस के तौर पर मनाया जाता है। बाबासाहेब का निधन छह दिसंबर 1956 को नयी दिल्ली में हुआ था।

प्रियंका गांधी बोलीं– मुझे अपने भाई पर गर्व है, उसके लिए देश सबकुछ है

- मुझे भाई पर गर्व है, उसके लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं, प्रियंका ने पात्रा के देशद्रोही बयान पर किया पलटवार
- भाजपा वाले कुछ भी कहें, राहुल गांधी के लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं: प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया था कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भारत को अस्थिर करने का प्रयास कर रही खोजी मीडिया समेत अंतरराष्ट्रीय ताकतों के साथ संबंध रखते हैं और वह देशद्रोही हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को ''देशद्रोही'' कहे जाने पर शुक्रवार को कहा कि सत्तारूढ़ दल के लोग कुछ भी कहें, उन्हें फर्क नहीं पड़ता क्योंकि उनके भाई के लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग देश की आजादी के लिए 13 साल जेल में काटने वाले पंडित जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के दो टुकड़े करने वाली इंदिरा गांधी को 'देशद्रोही' कह सकते हैं, उनके लिए राहुल गांधी के लिए इस शब्द का इस्तेमाल करना कोई नई बात नहीं है। प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''जो लोग आजादी की लड़ाई में 13 साल जेल में रहने वाले जवाहरलाल नेहरू जी को देशद्रोही कह सकते हैं, जो पाकिस्तान के दो टुकड़े करने वाली और शहीद हुईं इंदिरा जी को देशद्रोही कह सकते हैं, जो राजीव गांधी जी को देशद्रोही कह सकते हैं, वो अगर राहुल जी के लिए ऐसा कह रहे हैं, तो कोई नई बात नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे मेरे भाई पर बहुत गर्व है, उनके लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं है। उन्होंने देश की एकता के लिए आठ हजार किलोमीटर की यात्रा की जिसमें से चार हजार किलोमीटर की पदयात्रा थी।'' प्रियंका गांधी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, '' ये लोग कुछ भी कहते रहें, फर्क नहीं पड़ता।'' भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया था कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भारत को अस्थिर करने का प्रयास कर रही खोजी मीडिया समेत अंतरराष्ट्रीय ताकतों के साथ संबंध रखते हैं और वह देशद्रोही हैं।राहुल के लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं रू प्रियंका कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा द्वारा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को 'देशद्रोही' कहे जाने पर कहा कि सत्तारूढ़ दल के लोग कुछ भी कहें, उन्हें फर्क नहीं पड़ता क्योंकि उनके भाई के लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं है।

पीएम ने बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

नयी दिल्ली,(एजेंसी)।प्रधानमंत्री ने इस पोस्ट के साथ ही इस साल की शुरुआत में मुंबई में चौत्य भूमि की अपनी यात्रा से जुड़ी एक तस्वीर भी साझा की और लिखा, 'जय भीम'। आंबेडकर की पुण्यतिथि हर वर्ष छह दिसंबर को मनाई जाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि आज जब देश उनके योगदान को याद कर रहा है तो वे उनकी दृष्टि को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराते हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''महापरिनिर्वाण दिवस पर, हम अपने संविधान के निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रतीक डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को नमन करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''समानता और मानवीय गरिमा के लिए डॉ. आंबेडकर का अथक संघर्ष पीढ़ियों को प्रेरित करता रहा है। आज, जब हम उनके योगदान को याद कर रहे हैं, हम उनकी दृष्टि को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं।'' प्रधानमंत्री ने इस पोस्ट के साथ ही इस साल की शुरुआत में मुंबई में चौत्य भूमि की अपनी यात्रा से जुड़ी एक तस्वीर भी साझा की और लिखा, 'जय भीम'। आंबेडकर की पुण्यतिथि हर वर्ष छह दिसंबर को मनाई जाती है। इसे 'महापरिनिर्वाण दिवस' के तौर पर मनाया जाता है। बाबासाहेब आंबेडकर का निधन छह दिसंबर, 1956 को नयी दिल्ली में हुआ था।

'एक हैं तो सेफ हैं' के नारे ने पलटी बाजी

- फडणवीस बोले– एकनाथ शिंदे ने मुझसे मांगी थी सलाह

मुंबई ,(एजेंसी)। फडणवीस ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में 145 सीटों पर बहुमत है अकेले भाजपा ने 137 सीटों पर जीत दर्ज की। यह एक बहुत बड़ा जनादेश है और हमने तय किया कि मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा। महायुति के हमारे सहयोगियों ने भी इस बात को मान्यता दी। देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को भारी जनादेश देने के लिए राज्य की जनता को आभार दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान पीएम मोदी के नारे एक हैं तो सेफ हैं ने पूरी बाजी पलट दी। साथ ही फडणवीस ने कहा कि जिस तरह से चुनाव में भाजपा को जनादेश मिला, उसके बाद तय था कि मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा। श्एक हैं तो सेफ हैंश के नारे ने लोगों को एकजुट किया मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक मीडिया चौनल के साथ बातचीत में कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने श्एक हैं तो सेफ हैंश का नारा दिया था। इससे बहुत फायदा हुआ और यहां जो विभाजन की राजनीति चल रही थी, लोगों ने उसे पूरी तरह से नकार दिया। लोकसभा के जो नतीजे थे, उससे लोगों को आभास था कि गलती हुई, इसलिए लोग विधानसभा चुनाव में किसी बहकावे में नहीं आए और एकजुट होकर महायुति के लिए वोट किया। साथ ही हमने जो कल्याणकारी योजनाएं जैसे लाडकी बहिन योजना, किसानों के लिए योजना और युवाओं के लिए जो योजनाएं पेश कीं, उनकी वजह से सरकार के पक्ष में माहौल बना। श्पहली बैठक से तय था कि मुख्यमंत्री भाजपा का होगाश फडणवीस ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में 145 सीटों पर बहुमत है अकेले भाजपा ने 137 सीटों पर जीत दर्ज की। यह एक बहुत बड़ा जनादेश है और हमने तय किया कि मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा। महायुति के हमारे सहयोगियों ने भी इस बात को मान्यता दी कि यह महायुति के साथ ही भाजपा के लिए भी बड़ा जनादेश है। हमारी पहली बैठक में ही एकनाथ शिंदे ने ये बात मान ली थी। ?सीएम पद को लेकर शिवसेना की तरफ से हुई बयानबाजी पर फडणवीस ने कहा कि कई बार पार्टी के कार्यकर्ता चाहते हैं। कि उनकी पार्टी का नेता सीएम बने, इसके चलते बयानबाजी हुई, लेकिन हमारे बीच इसे लेकर कोई संदेह नहीं था। फडणवीस ने ये भी बताया कि श्एकनाथ शिंदे ने उनसे पूछा था कि क्या उन्हें डिप्टी सीएम पद लेना चाहिए?

राज्यसभा में कांग्रेस की बेंच से मिली नोटों की गड्डी, नाराज हुए सभापति, बोले– गंभीर मामला, जांच हो रही

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। धनखड़ ने आगे कहा कि मामला मेरे संज्ञान में लाया गया और मैंने यह सुनिश्चित किया कि इसकी जांच हो और यह जारी है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे के आरोपों को लेकर शुक्रवार को लोकसभा में कांग्रेस सदस्यों के विरोध जताने के कारण सदन की कार्यवाही आरंभ होने के एक मिनट के भीतर ही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में अभिषेक मनु सिंघवी की सीट से चेकिंग के दौरान ये नोट मिले। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मैं यहां सदस्यों को सूचित कर रहा हूं कि मैं यहां सदस्यों को सूचित कर रहा हूं कि कल सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद सदन की नियमित तोड़फोड़ विरोधी जांच के दौरान। जाहिर है, सुरक्षा अधिकारियों ने सीट नंबर 222 से नोटों की एक गड्डी बरामद की थी, जो वर्तमान में तेलंगाना राज्य से निर्वाचित अभिषेक मनु सिंघवी को आवंटित है। धनखड़ ने आगे कहा कि मामला मेरे संज्ञान में लाया गया और मैंने यह सुनिश्चित किया कि इसकी जांच हो और यह जारी है। एलओपी राज्यसभा मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मेरा अनुरोध है कि जब तक जांच नहीं हो जाती और घटना की प्रामाणिकता स्थापित नहीं हो जाती, तब तक किसी सदस्य का नाम नहीं बताया जाना चाहिए। कांग्रेस सांसद और वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सफाई देते हुए कहा कि अब तक इसके बारे में कभी नहीं सुना था. जब मैं राज्यसभा जाता हूं तो 500 रुपये का एक नोट ले जाता हूं। मैंने इसके बारे में पहली बार सुना. मैं दोपहर 12रू57 बजे सदन में पहुंचा और सदन दोपहर 1 बजे उठा, फिर मैं दोपहर 1रू30 बजे तक कैंटीन में बैठा रहा और फिर मैं संसद से बाहर चला गया।

राज्यसभा में कांग्रेस सांसद सिंघवी की सीट से मिला नोटों का बंडल!

- बीजेपी बोली– यह सदन की गरिमा पर चोट

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि नियमित प्रोटोकॉल के अनुसार, तोड़फोड़ रोधी टीम ने कार्यवाही और सदन को समाप्त करने के लिए सीटों की जाँच की। उस प्रक्रिया के दौरान, नोट पाया गया और सीट नंबरों को समझा गया और सदस्यों ने उस दिन हस्ताक्षर भी किए। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी को आवंटित सीट से संसद सुरक्षा अधिकारियों ने नकदी बरामद की। सदन में धनखड़ के दावे के बाद कांग्रेस सांसदों ने विरोध प्रदर्शन किया, मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस बात पर जोर दिया कि जांच से पहले नाम नहीं लिया जाना चाहिए। फिलहाल भाजपा को कांग्रेस के खिलाफ बड़ा मुद्दा मिल गया है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि यह घटना गंभीर प्रकृति की है। इससे सदन की गरिमा को ठेस पहुंचती है। सर, मुझे आपके फैसले पर भरोसा है कि इसकी विस्तृत जांच कराई जाएगी। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि नियमित प्रोटोकॉल के अनुसार, तोड़फोड़ रोधी टीम ने कार्यवाही और सदन को समाप्त करने के लिए सीटों की जाँच की। उस प्रक्रिया के दौरान, नोट पाया गया और सीट नंबरों को समझा गया और सदस्यों ने उस दिन हस्ताक्षर भी किए। मुझे समझ नहीं आता कि इस बात पर आपत्ति क्यों होनी चाहिए कि सभापति को सदस्य का नाम नहीं लेना चाहिए. सभापति ने सीट संख्या और उस विशेष सीट पर बैठने वाले सदस्य के बारे में सही ही बताया है। उन्होंने सवाल किया कि इसमें गलत क्या है? आपत्ति क्यों होनी चाहिए?...क्या आपको नहीं लगता कि जब हम डिजिटल इंडिया की ओर जा रहे हैं तो सदन में नोटों का बंडल ले जाना उचित है?

हम घर में नोटों की गड्डियां नहीं रखते। मैं सभापति की इस टिप्पणी से पूरी तरह सहमत हूं कि इसकी गंभीर जांच होनी चाहिए और सदस्यों द्वारा उठाई गई चिंताएं भी बहुत वास्तविक है।

वनों के आकार में बड़ी वृद्धि का वादा

पर्यावरणविदों के मुताबिक 2001 में भारत ने वनों के वर्गीकरण के नियमों में बदलाव कर दिया था। पर्यावरणवादी संगठन नेचर कंजर्वेशन फाउंडेशन के मुताबिक सरकारी आंकड़ों में दिखाई गई वन वृद्धि मुख्य रूप से श्वन्च्य की परिभाषा बदलने के कारण हासिल हुई है।

नेशलन ग्रीन ट्रब्यूनल (एनजीटी) जांच कर रहा है कि क्या सरकारी दावों के विपरीत भारत में प्राकृतिक जंगल तेजी से घट रहे हैं। सरकार ने यह कहानी दुनिया भर में फैलाई है कि पिछले दो दशकों में भारत के हरित क्षेत्र में भारी वृद्धि हुई है। एनजीटी में मई में दर्ज एक मामले में कहा गया कि सरकार का ये दावा गलत है। मुकदमे में कहा गया है कि पिछले 24 साल में भारत ने 23,000 वर्ग किलोमीटर पेड़ों का आवरण खो दिया है। इस आंकड़े का स्रोत ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच गया है, जो एक स्वतंत्र संगठन है और उपग्रह से ली गई तस्वीरों से विश्व भर के जंगलों समय में आंकड़े प्रकाशित करता है। हाल की तस्वीरों से पता चला कि 2013 से 2023 के बीच भारत में 95 फीसदी पेड़ों का नुकसान प्राकृतिक जंगलों में हुआ है। जबकि सरकारी आंकड़ों में दिखाया गया है कि 1999 से भारत का वन क्षेत्र बढ़ा है। सरकार की पिछली रिपोर्ट के अनुसार 2019 से 2021 के बीच वन और वृक्ष आवरण में 2,261 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई।

सरकारी आंकड़ों का विश्लेषण करने वाले पर्यावरणविदों का कहना है कि आंकड़ों में यह अंतर्विरोध इसलिए है, क्योंकि 2001 में भारत ने वनों के वर्गीकरण के नियमों में बदलाव कर दिया था। पर्यावरणवादी संगठन नेचर कंजर्वेशन फाउंडेशन के मुताबिक सरकारी आंकड़ों में दिखाई गई वृद्धि मुख्य रूप से श्वन्च्य की परिभाषा बदलने के कारण है। नई परिभाषा में वनों के बाहर के हरे क्षेत्रों को भी शामिल कर लिया गया है। इस मामले में भारत की साख दांव पर है।

भारत ने 2070 तक शून्य उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य घोषित करते हुए अपने वनों के आकार में बड़ी वृद्धि का वादा किया है। अगर एनजीटी में पर्यावरणवादी अपने केस को पुष्ट करने में सफल हो जाते हैं, तो भारत के इस दावे पर गंभीर सवाल उठ खड़े होंगे कि 2070 का लक्ष्य पाने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत की कुछ ऐसी कहानियां पहले भी तथ्यों की रोशनी में संदिग्ध हो चुकी हैं। क्या इस मामले में भी ऐसा ही होगा?

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाने की तैयारी

विकास शर्मा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऊर्जा क्षेत्र में उनकी दूरगामी योजना को एक फिर दोहराया है। गुजरात के गांधीनगर में आयोजित चौथे ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट में सोमवार को उद्घाटन अवसर पर निवेशकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक भारत में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत से 500 गीगावॉट बिजली का उत्पादन किया जाएगा। यह पहला मौका नहीं है कि प्रधानमंत्री ने अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अधिक केंद्रित प्रयास पर बल दिया हो। उनकी यह तैयारी प्रधानमंत्री बनने के साथ ही शुरू हो चुकी थी और अब वह मिशन मोड पर काम करना चाहते हैं। उनकी इस दूरदर्शी और महत्वाकांक्षी योजना को प्राप्त करने में छत्तीसगढ़ भी पीछे नहीं रहना चाहता है । वैश्विक निवेशक सम्मेलन में हिस्सा ले रहे प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री के नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपनी भूमिका तय कर दी है। जीवाश्म ऊर्जा से पॉवर हब बने प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी अगले कुछ वर्षों में 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 45 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य है। उन्होंने सम्मेलन में निवेशकों को भी खुले दिल से छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित कर अपनी नियत साफ कर दी है।

पर्यावरण संतुलन तथा शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत सरकार ने परिणाम केंद्रित प्रयासों को बढ़ावा दिया है।

नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में छत्तीसगढ़ ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में कुल 20 हजार मेगावॉट बिजली उत्पादन की क्षमता है जिसमें सिर्फ 15 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का यह विश्वास पुख्ता योजना पर आधारित है। छत्तीसगढ़ में पन बिजली और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में काम को गति देते हुए अगले कुछ ही वर्षों में लगभग 10 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जाना है। इसमें छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी 7 हजार मेगावाट क्षमता की पंप स्टोरेज तकनीक की मदद से पन बिजली उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ रही है तथा सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सौर सुजला और प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की बड़ी भूमिका होगी।

भारत सरकार ने आमजन को भी ऊर्जा उत्पादक बनाने की व्यापक योजना बनाई है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना इस कड़ी में एक बहुत ही लोकप्रिय योजना है। योजना के तहत अगले कुछ वर्षों में 30 गीगावॉट (30 हजार मेगावॉट) बिजली देश के आम लोगों के घरों की छतों पर लगे सौर पैनलों से उत्पादित होंगे। इसके पहले चरण में छत्तीसगढ़ में 25 हजार घरों में सौर संयंत्र लगाने का लक्ष्य है। इस दिशा में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी ने योजनाबद्ध कार्य शुरू भी कर दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी की यह महत्वाकांक्षी योजना भावी जरूरतों की पूर्ति में आमजन की भागीदारी को बढ़ाने वाला है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना पर 75 हजार 21 करोड़ रूपए व्यय किया जा रहा है। इसमें आम नागरिक को भारी भरकम अनुदान के साथ ही आवश्यक विद्युत अधोसंरचना का विकास भी शामिल है। योजना के तहत देश के एक करोड़ घरों की छतों पर एक से तीन किलोवॉट के सौर पैनल स्थापित होंगे जो लघु बिजली संयंत्र की भांति कार्य करेंगे। अनुमान है कि तीन सौ यूनिट प्रतिमाह तक बिजली मुफ्त प्राप्त करने के साथ ही हितग्राही अपनी उत्पादित शेष बिजली को ग्रीड के माध्यम से राज्य बिजली कंपनियों को बेच सकेंगे। योजना की प्रारंभिक सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 13 फरवरी 2024 को शुरू होने के छह माह के अंदर एक करोड़ 28 लाख से अधिक हितग्राहियों ने सौर संयंत्र स्थापित करने के लिए पंजीयन कराया है।

देश की प्रगति और समृद्धि को समझने के लिए प्रति व्यक्ति आय की तरह प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत भी एक आधार है। साल 1947 में खपत 18.47 किलोवॉट ऑवर (केव्हीएच) से आज 2024 में 72 गुणा अधिक 1327 केव्हीएच पहुँच चुका है जिसके तेजी से बढ़ते हुए अगले 5–6 वर्षों में 1500 केव्हीएच तथा वर्ष 2050 में 2500 केव्हीएच प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष ऊर्जा खपत होने का अनुमान है। हमारी ऊर्जा जरूरतें कोयला आधारित संयंत्रों से उत्पादित बिजली पर अधिक निर्भर हैं जिसे समयबद्ध ढंग से नवीकरणीय ऊर्जा तथा अन्य वैकल्पिक ऊर्जा श्रोतों से पूरा करने की आवश्यकता है। भारत में आज विद्युत उत्पादन क्षमता 446 गी.वॉ. है जिसमें 45.5 प्रतिशत गैर– जीवाश्म इंधन (नवीकरणीय ऊर्जा) से उत्पादित होता है। अब आगामी पाँच वर्षों में इसे बढ़ाकर 65 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा गया है। भारत सरकार नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता जो वर्तमान में 203 गीगावॉट है को अगले पाँच वर्षों में 500 गी.वॉ. तक ले जाने के लिए प्रयासरत है। इसमें पवन ऊर्जा की वर्तमान क्षमता को 46.6 गी.वॉ. से 140 गी.वॉ. और वर्ष 2030 तक सौर ऊर्जा से ऊत्पादित बिजली को 85.5 गी.वॉ. से 270 गी.वॉ. करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिस प्रकार से देश ने सिर्फ दस वर्षों में सौर ऊर्जा क्षमता को 2.82 गी.वॉ से बढ़ाकर 85.5 गी.वॉ. तक पहुंचाया है ऐसे में अगले पाँच वर्ष का लक्ष्य असंभव नहीं कहा जा सकता है।

भारत के संदर्भ में गैर–जीवाश्म इंधन को मुख्य ऊर्जा श्रोत बनाने की जरूत इसलिए भी है क्योंकि जीवाश्म इंधन कई पर्यावरणीय तथा पारिस्थितिकी असंतुलन (इकोलॉजिकल इंबैलेंस) का कारण बन रहा है और बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के साथ इसके खतरे और चिंताजनक हो जाएंगे। नवीकरणीय ऊर्जा समय की मांग और मानवता के लिए आवश्यक है। भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन की दिशा में जो कदम उठाए हैं उसके अच्छे परिणाम भी हमारे सामने है। इसके साथ ही वर्ष 2030 तक कार्बन उत्सर्जन को 2005 की स्थिति सि 45 प्रतिशत तक कम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री ने नारा दिया सबका साथ–सबका विकास और बाद में एक आयाम और जोड़ा सबका प्रयास। विद्युत ऊर्जा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में छत्तीसगढ़ अग्रिम पंक्ति में रहना चाहेगा । वो इसलिए भी कि विकास का पहिया बिना ऊर्जा दौड़ेगा नहीं । ऊर्जा से उन्नति को गति मिलती है और जिस प्रकार प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना समेत नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में छत्तीसगढ़ कार्य कर रहा है उससे आशा है कि प्रदेश आने वाले दशकों में भी पॉवर हब बना रहेगा।

नये सुनहरे युग में प्रवेश करता जम्मू–कश्मीर

आर.के. सिन्हा

बेखौफ होकर जम्मू और कश्मीर में जिस तरह से मतदाताओं ने राज्य विधानसभा के तीन चरणों में हुए चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग किया उससे दूर तक संदेश चला गया है कि अब वहां हालात लगभग सामान्य हो चुके हैं। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान किसी तरह की हिंसा भी नहीं हुई। चुनावों में राजनीतिक दलों ने भी निर्भीकतापूर्वक खुलकर प्रचार भी किया , रैलियां भी कीं और जमकर अपने – अपने मतों को खुलकर जनता के सामने रखा भी । यह सब पिछले कई दशकों से ठप्प पड़ा हुआ था ।

बेशक, निर्वाचन आयोग राज्य विधानसभा का चुनाव सफलतापूर्वक आयोजित करने का श्रेय ले सकता है। याद रहे कि जम्मू और कश्मीर में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव था। यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है कि 1980 के दशक में जम्मू और

कश्मीर में उग्रवाद के बढ़ने का एक कारण 1987 का विधानसभा चुनाव था, जो कि पूरी तरह से फर्जी था और जिसने चुनावी लोकतंत्र के प्रति भारी निराशा पैदा की थी और उग्रवाद को बढ़ावा देने में भरपूर मदद की थी।

देश को अब उम्मीद जगी है कि राज्य विधानसभा के आगामी 8 अक्टूबर को मतगणना भी इसी भावना से होगी और उसके बाद राज्य में नई सरकार का गठन बिना किसी पक्षपात या शिकायत के होगा। अब लगता तो यही है कि जम्मू–कश्मीर अपना अतीत भूलकर नया इतिहास रचने के लिए मन बना चुका है।

गांधी जयंती के मौके पर राजभवन में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए राज्य के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा, "बापू हमेशा जम्मू–कश्मीर में शांति और प्रगति देखना चाहते थे। उन्होंने नयी पीढ़ी से बापू के आदर्शों से प्रेरणा लेने का आग्रह किया।"

दरअसल राज्य के नौजवान भी समझ चुके हैं कि हिंसा और अशांति से उन्हें ही नुकसान होगा। इसलिए उनके हाथों में अब बंदूक और पत्थर नहीं हैं, बल्कि उनकी आंखों में शांति और आकांक्षाओं के सपने दिखाई देते हैं।

आप कह सकते हैं कि जम्मू–कश्मीर में लोकतंत्र का महापर्व संपन्न हुआ है। सबसे पहले बीती मई में लोकसभा चुनाव हुए और फिर विधानसभा चुनाव के लिए मतदान शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न हुआ। यह भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया भर में चर्चा का केंद्र बिंदु बन गया है।केन्द्र शासित प्रदेश के 1.40 करोड़ नागरिकों ने संवैधानिक मूल्यों में अपनी आस्था दोहराई है और अपने मतदान के माध्यम से जम्मू–कश्मीर और देश के विकास में योगदान देने का संकल्प लिया है। यह प्रमाण है कि पिछले चार–पांच वर्षों में भयमुक्त जम्मू–कश्मीर बनाने में बड़ी सफलता मिली है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले पांच वर्षों में किए गए कार्य, चाहे वह जमीनी स्तर पर लोकतंत्र का सशक्तीकरण हो या शांतिपूर्ण चुनाव कराना हो या विकास कार्य हो, इस बात का प्रमाण हैं कि जम्मू–कश्मीर अब विकास और खुशहाल के रास्ते पर चल पड़ा है। अब राज्य में स्कूल पूरे साल खुले रहते हैं। बच्चे पढ़–लिखकर आगे बढ़ रहे हैं।

हालिया चुनावों में, उन जगहों में जमकर मतदान हुआ जिन्हें अबतक आतंकवादी संगठनों के गढ़ के रूप में देखा जाता था। तीन चरणों में क्रमशः 61.38:, 57.31: और 69.65: मतदान हुआ। जम्मू – कश्मीर में देश के अन्य भागों की तरह ही इतने भारी मतदान से साफ है कि कश्मीर की जनता भी चुनावी लोकतंत्र को गंभीरता से लेनी लगी है। उच्च मतदान दर का एक कारण यह भी हो सकता है कि घाटी में लगभग सभी राजनीतिक मतों और विचार धाराओं की पार्टियों ने चुनावों में भाग लिया। अपने स्तर पर जमात–ए–इस्लामी भी शामिल रही चुनावों में, जिसने बीते समय के दौरान राज्य में चुनावों का बहिष्कार करने की पुरजोर वकालत की थी। कुल मिलाकर, 90 सीटों के लिए 873 उम्मीदवार मैदान में थे।

जमात ने स्वतंत्र उम्मीदवारों के रूप में या इंजीनियर रशीद की अवामी इत्तेहाद पार्टी के सहयोगियों के रूप में चुनाव लड़ा। यह महत्वपूर्ण है , क्योंकि य यह संगठन नेशनल कॉन्फ्रेंस का मुख्य वैचारिक दुश्मन रहा है। सीमा पार से बार–बार आतंकवादी हमलों के कारण सुरक्षा बल, विशेष रूप से पीर पंजाल रेंज के दक्षिण में, तनाव में रहे हैं। लेकिन, सुरक्षा बलों की चौकसी ने निश्चित रूप से चुनाव बिना किसी हिंसा के सम्पन्न करवा दिये।

यह तो मानना होगा कि जम्मू–कश्मीर तेजी से बदलत जा रहा है। राज्य में धारा 370 के हटने से पहले पत्थरबाजी की घटनाओं में सैकड़ों लोग घायल हो रहे थे और मारे जा रहे थे। सुरक्षा बलों पर हमले हो रहे थे, जिसमें अब 80–85 फीसद तक की कमी आई है। धारा 370 खत्म करने के बाद केन्द्र सरकार ने घाटी में राज्य की पुरानी सभ्यता और संस्कृति को फिर से जीवित करने के लिए बड़ी योजना पर काम शुरू किया। इसके तहत आस्था के केंद्रों और आध्यात्मिक स्थलों को नया रूप दिया गया। स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के मेले और महोत्सव लगाए गये। यह मेले और महोत्सव आतंकवाद पनपने के कारण सालों से बंद थे। 2023 में नियंत्रण रेखा के पास स्थित मां शारदा देवी मंदिर का नवनिर्माण कराकर आजादी के बाद पहली बार पूजा के लिए खोला गया। सालों से बंद खीर भवानी मंदिर में फिर से दर्शन–पूजन का काम शुरू हुआ। खीर भवानी का मेला लगाया गया। इसमें पर्यटकों के साथ स्थानीय लोग भी बड़ी संख्या में पहुंचे।सरकार ने 123 पुराने स्थलों का व्यवस्थित रूप से जीर्णोद्धार और मरम्मत कराकर जनता के लिए फिर से खोल दिया।

केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक हजरत बल दरगाह के विकास के लिए 42 करोड़ रुपये दिए। राज्य में जगह–जगह मेगा सांस्कृतिक कार्यक्रम कराए गए। महत्वपूर्ण यह भी है कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 खत्म होने के बाद राज्य में पंचायती राज अधिनियम 1989 को लागू किया गया। इसके तहत लोकतंत्र के तीनों स्तरों विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को लागू करना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाना उद्देश्य था। इसके साथ ही पिछले लोकसभा चुनाव के समय राज्य की पांच लोकसभा सीटों के लिए लगभग 58 फीसद मतदान हुआ। इतना मतदान राज्य में बीते कुछ लोकसभा चुनावों के समय नहीं हुआ था। श्रीनगर के बाजारों में आम–खास जनों से बात करके लगता है कि धारा 370 को राज्य का अवाम अगर पूरी तरह से भूला नहीं है, तो कम से कम उसकी चर्चा करने का उसके पास वक्त नहीं है। अब वह आगे निकलना चाहता है। उसे चाहत है अमन और रोशन मुस्तकबिल की। देश को भरोसा है कि जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद विकास की रफ्तार और तेज होगी।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., कौशाम्बी

पत्रांक: 2472/7ए/2024–25 **अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूंचना** दिनांक 06.12.2024

1– महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0, द्वारा लोक निर्माण विभाग में ए0 बी0 सी डी0 भवन श्रेणी में शासनादेश संख्या– 3460/23–7–08–41 एस0एस0ए0/54 टी0सी0–III दिनांक 28.07.2008 के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों के लिए निम्नलिखित कार्यो का प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है। कोई भी ठेकेदार एक अथवा सभी निविदाओं के लिए निविदा दे सकता है।

क्र. सं.	जिला	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (माह में)	कार्यदायी अधिशासी अभियन्ता के खण्ड का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	जिलाधिकारी का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	कौशा0	जिला कौशाम्बी में जिलाधिकारी आवास की मरम्मत एवं पुर्नरूद्धार का कार्य	8.26	0.83	Ten.Cost 500 + St.Ch.300 +GST	01माह	अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, कौशाम्बी	अधीक्षण अभियन्ता, प्रयागराज वृत्त, लो0नि0वि0, प्रयागराज	जिलाधिकारी कौशाम्बी
2	कौशा0	कलेक्ट्रेट परिसर मंझनपुर कौशाम्बी में स्थित वासवदत्ता सभागार/एन0आई0सी0वीडियो कान्फेसिंग हाल व शौचालय के पुनः निर्माण का कार्य।	6.82	0.69	Ten.Cost 500 + St.Ch.300 +GST	01माह			
3	कौशा0	कलेक्ट्रेट परिसर मंझनपुर कौशाम्बी में स्थित उदयन सभागार के पुनः निर्माण का कार्य।	5.42	0.55	Ten.Cost 500 + St.Ch.300 +GST	01माह			
4	कौशा0	कलेक्ट्रेट परिसर मंझनपुर कौशाम्बी में स्थित कौशाम्बी विथिका हॉल के साज सज्जा का कार्य।	4.55	0.46	Ten.Cost 500 + St.Ch.300 +GST	01माह			
5	कौशा0	कलेक्ट्रेट परिसर मंझनपुर कौशाम्बी में स्थित वासवदत्ता सभागार/एन0आई0सी0 वीडियो कान्फ्रेसिंग हाल व स्वान कक्ष फर्श का पुनः निर्माण एवं लाईटिंग का कार्य।	5.87	0.59	Ten.Cost 500 + St.Ch.300 +GST	01माह			
6	कौशा0	लोक निर्माण विभाग आवास कौशाम्बी (एन.एच.–731ए, राम वन गमन मार्ग के चै0–82.510) के बाउण्ड्री वाल व गेट के पुनः निर्माण का कार्य।	8.40	0.85	Ten.Cost 500 + St.Ch.300 +GST	01माह			
7	कौशा0	कार्यालय लोक निर्माण विभाग कौशाम्बी (एन.एच.–731ए, राम वन गमन मार्ग के चै0–82.560) के बाउण्ड्री वाल व गेट के पुनः निर्माण का कार्य।	8.12	0.82	Ten.Cost 500 + St.Ch.300 +GST	01माह			

3– प्रत्येक कार्य को पूर्ण करने की अवधि (वर्षाकाल सहित) उपरोक्त तालिका के कालम–7 में दर्शाई गई।

4– निविदा की वैधता प्राप्ति के दिन से 90 दिन के लिये होगी। वैधता की अवधि में निविदा को वापस नही लिया जा सकेगा।

5– निविदा प्रपत्र सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, अधीक्षण अभियन्ता, एवं जिलाधिकारी जिनका वर्णन तालिका के कॉलम–8, 9 व 10 में है, के कार्यालय से आवश्यक मूल्य देकर प्रत्येक कार्य दिवस में 11 बजे पूर्वान्ह से 4 बजे अपरान्ह तक दिनांक 09.12.2024 से 11.12.2024 तक नगद अथवा डिमाण्ड ड्राफ्ट किसी राष्ट्रीकृत बैंक से जो कि अधिशासी अभ्यिन्ता प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0, कौशाम्बी के नाम देय होगा से क्रय की जा सकती है। इच्छुक निविदाकर्ता अधिक जानकारी सम्बन्धित कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। डाक द्वारा निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त धनराशि रू0 200.00 देकर प्राप्त की जा सकती है तथा इसके लिए दिनांक– 11.12.2024 साय 4 बजे तक अनुरोध स्वीकार की जायेगी। निविदा आमंत्रित करने वाले अधिकारी डाक में देरी के लिये जिम्मेदार नही होंगे।

6– निविदा प्रपत्र सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, अधीक्षण अभियन्ता एवं जिलाधिकारी जिनका वर्णन तालिका के कॉलम– 8, 9, व 10 में है, के कार्यालय में दिनांक–12.12.2024 को अपरान्ह से 12.30 बजे तक जमा की जा सकती है। जिसको अगले कार्य दिवस में दिनांक 13.12.2024 को 2.30 बजे जिलाधिकारी के कार्यालय में जैसा कि स्तम्भ–10 में वर्णित है, इच्छुक निविदाकर्ता की उपस्थिति में खोली जायेगी। यदि उक्त निविदा प्राप्त करने एवं खोलने के दिनांक को राजकीय अवकाश घोषित होता है तो निविदा प्राप्त एवं खोलने की तिथि अगला कार्यदिवस होगा और स्थल तथा खोलने के समय तथा वैधता में कोई परिर्वतन नही होगा। निविदा की वैधता मूल तिथि से मानी जायेगी।

7– निविदादाता को शासनादेश सं0– 3070/78–2–18–42–आई0टी0/2017(22), दि0 02.01.2018 के अनुसार निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि जमा करना होगा।

8– निविदा के साथ निर्धारित धरोहर धनराशि संलग्न होनी चाहिये। धरोहर धनराशि एन0एस0सी0/राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ0डी0आर के रूप में होनी चाहिए, जो कि अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, कौशाम्बी के पक्ष में बंधक होगी जो कि निविदा की वैद्यता से 45 दिन अधिक की तिथि वैध होना अनिवार्य होगा।

9– कोई निविदाकर्ता कार्यदायी खण्ड/वृत्त में जहॉ उनका सम्बन्धित अथवा उनकी पत्नी का कोई निकट सम्बन्धी (प्रथम रक्त सम्बन्धी अथवा उनकी पत्नी) खण्डीय लेखाकार के रूप में कार्यरत हों अथवा अधीक्षण अभियन्ता एवं अवर अभियन्ता (दोनों को सम्मिलित करते हुये) डालने के लिये योग्य नहीं होंगे। निविदाकर्ता द्वारा यह शपथ–पत्र भी दिया जायेगा जिसमें उसके सम्बन्धियों के नाम तथा उनके पदनाम का उल्लेख होगा, जो कि कार्यदायी खण्ड एवं उससे सम्बन्धित वृत्त में कार्यरत हों।

10– कोई भी राजपत्रित अभियन्ता अथवा राजपत्रित अधिकारी जो कि राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के प्रशाकीय विभाग में कार्यरत हों सेवा निवृत्ति के अवधि के 2 वर्ष तक बिना सरकार के अनुमति के ठेकेदारी के काम के लिये प्रतिबन्धित होंगे। यदि यह पाया जाता है कि ठेकेदार अथवा उसके प्रतिनिधि ने निविदा डालने से पहले राज्य सरकार से अनुमति नही ली है तो या ठेकेदार के साथ कार्य करना शुरू कर दिया है, ठेकेदारी निरस्त किया जा सकता है।

11– निवदिा से सम्बन्धित विवरण निविदा डालने हेतु योग्यता एवं पात्रता, ड्राइंग, विशिर्षिटियॉ,मात्राओं का विवरण एवं ठेके की अन्य शर्तो जिनका ठेकेदार द्वारा पालन किया जाना है को सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता के कार्यालय में जिनका उल्लेख कॉलम–8 में किया गया है, किसी कार्यदिवस में पूर्वाहन्ह 11.00 बजे अपरान्ह 4.00 बजे दिनांक 09.12.2024 से 11.12.2024 तक देखा जा सकता है।

12– कोई भी निविदाकर्ता जिसका अपराधिक रिकार्ड है, निविदा में भाग लेने से प्रतिबन्धित होंगे।

13– ऐसे निविदाकर्ता जो राज्य विधि कौंसिल में पंजीकृत हों, निविदा देने से प्रतिबन्धित होंगे (निविदा डालने योग्य नही होंगे)

14– चूंकि यह एक समयबद्व कार्यक्रम हैं, समय के विस्तार के लिए कोई अनुरोण स्वीकार नही किया जायेगा।

15– निविदाकर्ता द्वारा सभी सूचना/डाक्यूमेन्ट निर्धारित प्रपत्र (टी–4, टी–5, टी–6) में प्रत्येक बिड के साथ दी जायेगी।

16– शासनादेश संख्या– 622/23–12–2012–2 आडिट/08 टी0सी0 लो0नि0 अनुभाग–12, दिनांक 08 जून, 2012 एवं प्रमुख अभियन्ता के पत्रांक–379 सी0जी0/म0ले0– लोक लेखा समित, 12–13 दिनांक 29.06.2012 के अनुसार अनुबन्ध गठन समय 10 प्रतिशत बिलो तक 0.50 प्रतिशत प्रति 1 प्रतिशत कम दर पर तथा 10 प्रतिशत से अधिक बिलो दर पर 1.00 प्रतिशत प्रति 1 प्रतिशत कम दर पर सिक्योरिटी/परफारमेंस गारण्टी ली जायेगी।

17– दोष की देयता अवधि (Delfct Liability Period) वास्तविक कार्य पूरा होने के दो साल बाद होगी और उसके बाद धरोहर धनराशि वापस की जायेगी।

डी.सी.भास्कर
सहायक अभियन्ता प्रान्तीय
खण्ड, लो.नि.वि., कौशाम्बी

हरबंश सिंह
अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय
खण्ड, लो.नि.वि., कौशाम्बी

महाकुम्भ:स्वास्थ्य एवं यात्रा सम्बन्धी एडवाइजरी जारी

श्रद्धालु प्रयागराज पहुँचने से पहले महाकुम्भ मेला 2025 मोबाईल एप करें डाउनलोड–अपर जिलाधिकारी

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया है कि महाकुम्भ मेला की अवधि के दौरान करोड़ो की संख्या में श्रद्धालु जनपद प्रयागराज में एकत्रित होगें। महाकुम्भ मेला अवधि में मेला परिक्षेत्र भगदड़, अग्निकांड, डूबना, स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या इत्यादि के प्रति सेवंदनशील है। महाकुम्भ–2025 को दुर्घटना मुक्त बनाने हेतु सम्पूर्ण मेला परिक्षेत्र में प्रभावी आपदा प्रबन्धन का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

अपर जिलाधिकारी ने महाकुम्भ–2025 के दृष्टिगत यात्रियों एवं कल्पवासियों हेतु स्वास्थ्य एवं यात्रा के लिये एडवाइजारी जारी कर दी है। उन्होने बताया है कि महाकुम्भ–2025 का आयोजन दिनांक 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 के मध्य उत्तर प्रदेश के जनपद प्रयागराज में किया जा रहा है। मेला क्षेत्र गंगा एवं यमुना नदी के किनारों पर लगभग 4200 हेक्टेयर के क्षेत्रफल में फैला हुआ है। मेला क्षेत्र में दिन के समय तापमान कभी कभी 9 डिग्री तथा रात्रि में लगभग 02 डिग्री तक हो सकता है। दिन में धूप न होने पर घने कोहरे की स्थिति भी बन जाती है। उन्होने श्रद्धालुओं से कहा है कि प्रयागराज पहुँचने से पहले महाकुम्भ मेला 2025 मोबाईल एप डाउनलोड करें और मेला की जानकारी प्राप्त करें। यात्रा से पूर्व निवास स्थान सुनिश्चित करें, बदलते मौसम के अनुसार कपड़े एवं खान–पान का सामान साथ रखें, गर्म एवं ऊनी वस्त्र साथ में अवश्य रखें, मौसम की पूर्व जानकारी हेतु मौसम विभाग की वेबसाइट देखें। आपदा की पूर्व चेतावनी हेतु सचेत मोबाइल एप डाउनलोड कर चेक करें। 60 वर्ष से अधिक आयु या पूर्व से बीमार व्यक्ति यात्रा से पहले स्वास्थ्य जांच अवश्य कराये, डाक्टर की सलाह के उपरान्त ही यात्रा करें। पूर्व से बीमार व्यक्ति अपने चिकित्सक का परामर्श पर्चा एवं चिकित्सक का सम्पर्क नम्बर एवं चिकित्सक द्वारा लिखी गयी दवाईयां अपने साथ रखें। हृदय रोग, श्वास रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रोगी यात्रा के समय विशेष सावधाान बरते। यदि आप आयुष्मान कार्ड धारक है तो कृपया अपना आयुष्मान कार्ड साथ में रखें जिससे कि आकस्मिकता की स्थिति में सरकारी एवं निजी चिकित्सालय में आयुष्मान योजना के अन्तर्गत मुफ्त इलाज प्राप्त हो सके।

अपर जिलाधिकारी ने मेला क्षेत्र में स्नान एवं दर्शन हेतु बताया है कि संगम क्षेत्र पहुँचने हेतु पैदल भी चलना पड़ सकता है इसीलिये शरीर में पानी का स्तर बनाये रखने के लिये पानी/ओआरएस का घोल पीते रहें। मेला क्षेत्र में अत्याधिक भीड़ की सम्भावना होने के दृष्टिगत गर्भवती महिलायें विशेष सावधानी बरते। बच्चो, वृद्धजनों एवं गर्भवती महिलाओं को अकेले स्नान न करने दें। गहरे पानी में जाने से बचे। चप्पल–जूते का प्रयोग करें एवं कीचड़ वाले स्थान पर न चलें। सिर दर्द होना, चक्कर आना, घबराहट होना, दिल की धड़कन तेज होना, उल्टी आना, हाथ–पांव व होठों का नीला पड़ना, थकान होना, सास फूलना, खांसी होना अथवा अन्य लक्षण होने पर मेले में स्थापित निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र से तत्काल सम्पर्क करें। मधुमेह, हृदय रोग, सांस रोग से ग्रसित श्रद्धालु अपनी दवा निरन्तर समय से लें। खाने से पहले और शौचालय उपयोग के बाद साबुन से हाथ अवश्य धोयें। प्रवास के दौरान खाद्य पदार्थो के प्रयोग में विशेष सावधानी बरतें तथा खुले व दूषित भोज्य पदार्थो के प्रयोग से बचें। धूम्रपान और नशीले पदार्थो का सेवन न करें। मेला क्षेत्र में मच्छरों से बचाव हेतु यद्यपि छिड़काव, धुंआ किया जाता है, फिर भी मच्छरो से बचने हेतु मच्छर रेपेलेन्ट भी साथ रखें।

अपर जिलाधिकारी ने कल्पवासियों के सम्बन्ध में बताया है कि सरकारी नल/वाटर एटीएम के पानी का प्रयोग करें एवं खाने पीने हेतु उबालने के बाद ही प्रयोग करें। सब्जी, फल इत्यादि को अच्छे से धो कर ही सेवन करें। गरम कपड़े, कम्बल, रजाई पर्याप्त मात्रा में रखें। हीटर, अलाव इत्यादि का प्रयोग टेंट के अन्दर न करें। इससे आग लगने का खतरा हो सकता है तथा हानिकारक गैसों के एकत्र होने से स्वास्थ्य के लिये प्रतिकूल परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती है। आपात स्थिति में महाकुम्भ हेल्पलाइन 1920, पुलिस हेल्पलाइन 112, आपदा हेल्पलाइन 1077 पर सम्पर्क करें।

अधर्म के नाश के लिए भगवान लेते हैं अवतार

कुशीनगर।जब–जब धरती पर अधर्म का बोलबाला होता है, तब भगवान किसी न किसी रूप में अवतार लेते हैं। भगवान को पाने का मार्ग केवल सच्चे मन की भक्ति है। जनपद के फाजिलनगर विकास खंड के ग्राम अमवा दूबे में चल रहे श्री रूद्र महायज्ञ में आयोजित राम कथा में श्रीधाम वृन्दावन से पधारे मानस मर्मज्ञ अतुल कृष्ण भारद्वाज ने कही। उन्होंने कहा कि भगवान हर जगह विद्यमान हैं और भक्त के प्रेम के वशीभूत होकर प्रकट होते हैं। उन्होंने कहा कि धर्म एकजुटता का भाव पैदा करता है। जबकि सम्प्रदाय व्यक्ति को बाहरी रूप से सीमित करता है। ईश्वर के अवतार अधर्म का नाश और धर्म की रक्षा करते हैं। त्रेता युग में भगवान राम ने अयोध्या में और द्वापर युग में भगवान कृष्ण ने मथुरा में अवतार लेकर असुरों का नाश किया। कथा मर्मज्ञ भारद्वाज ने युवाओं की पाश्चात्य सभ्यता की ओर झुकाव पर चिंता जताई और माताओं से अपील किया कि वे गर्भावस्था में भगवान का सुमिरन करें और सात्विक जीवन अपनाएं। भगवान राम के जन्म की कथा के दौरान जैसे ही भजन गाया गया। पंडाल राममय हो गया और श्रोता झूम उठे, मानो भगवान का जन्म साक्षात हुआ हो। कथा का शुभारम्भ व्यास गद्दी का पूजन–अर्चन कर भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी, पूर्व मंडल अध्यक्ष डा.कन्हैया शर्मा व स्वतंत्रता सेनानी आश्रित संगठन के जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र ऊर्फ इंदू उपाध्याय ने कराया। इस दौरान काशी से पधारे यज्ञाचार्य पंडित त्रिभुवन पाण्डेय, मुख्य यजमान सोनी देवी हिरण्यगर्भ द्विवेदी पंकज,सुभावती देवी जीतन गौड़, सुशीला देवी चित्रसेन द्विवेदी,सोनम देवी महेश द्विवेदी, आरती देवी विनोद यादव, सुमित्रा देवी अशर्फी गुप्ता, अंजनी देवी जगदीश गुप्ता, गीता देवी रविन्द्र गुप्ता,रीता देवी गुड्डू दूबे, बिट्टू देवी गोविंद दूबे, विद्यावती देवी रामलखन प्रजापति, ज्ञानेश्वर द्विवेदी दीपक,मनोज द्विवेदी,हृषिकेश द्विवेदी, उपेंद्र द्विवेदी, सुरेश उपाध्याय समेत सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

नीतियों के विरोध में सीएम को भेजा ज्ञापन

बाराबंकी।(आरएनएस) शासन द्वारा स्वीकृत कार्यो के साथ पांच वर्षों की अनुरक्षण नीति के चलते बाराबंकी कान्ट्रेक्टर एसोसिएशन ने गुरूवार को लोक निर्माण विभाग अयोध्या परिक्षेत्र के अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर ठेकेदारों की आपातकालीन बैठक बुलाई। बैठक में ठेकेदार संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार श्रीवास्तव और महामंत्री विजय कुमार सिंह 'मुन्ना' की अगुवाई में उपस्थित ठेकेदारो ने विरोध प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की। इस दौरान उन्होंने लोक निर्माण विभाग की नई नीतियों को जनविरोधी और विभाग के लिए घातक बताया है। वहीं बाराबंकी कान्ट्रेक्टर एसोसिएशन ने अधिशाषी अभियन्ता के माध्यम से छह सूत्रीय मांग पत्र मुख्यमंत्री समेत प्रमुख सचिव, लोक निर्माण विभाग, प्रमुख अभियन्ता व मुख्य अभियन्ता (विकास)धविभागध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ एवं मुख्य अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग अयोध्या परिक्षेत्र को भेजा। ठेकेदार संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि उ.प्र. शासन द्वारा प्रदेश के ग्रामीण मार्गों पर पांच वर्षीय अनुरक्षण लागू किया जा रहा है। जिसमें लोक निर्माण विभाग के अधिकारी खुद भी असमंजस में हैं। जिसका ठेकेदारों ने तकनीकी आधार पर विरोध किया है। अध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि शासन द्वारा पांच वर्षों के अनुरक्षण की शर्ते यदि ठेकेदारों पर थोपी जाती है तो विभाग को ठेकेदारों का पंजीकरण दो वर्षो बजाए पांच वर्ष के लिए किया जाना आवश्यक है। महामंत्री विजय कुमार सिंह 'मुन्ना' ने कहा कि शासन द्वारा मनाही के बावजूद लोकनिर्माण विभाग के कुछ खण्डों में प्रत्याशा में बिना वित्तीय स्वीकृत कार्यों की निविदा को लगाकर ठेकेदारों की धरोहर धनराशि फंसा दिया जाता है। वित्तीय बिड को कार्य पर स्वीकृति प्राप्त होने पर ही खोला जाता है अन्यथा दो–तीन माह विविदा पर विचार न करके उसे निरस्त करने का भी कार्य किया जाता है।

सौर प्लांट से होता है पर्यावरण संरक्षण

चित्रकूट।(आरएनएस) जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत हर घर सोलर अभियान चलाकर निजी घरो पर सोलर रूफटॉप सोलर पावर प्लाण्ट स्थापित कर विद्युत बचत की जा सकती है।जिलाधिकारी ने बताया कि इस योजना के तहत जनपद के 12,000 घरो को इस योजना से अच्छादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बताया कि इसके तहत उत्तर प्रदेश नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा नगर पालिका व नगर पंचायतो को लक्ष्य भी आवन्टित किए गए है। जिसमें नगर पालिका परिषद कर्वी को 9900 घर, नगर पंचायत मऊ को 300 घर, राजापुर को 300 घर, मानिकपुर को 300 घर एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को 200 घर तथा जिला बेसिक शिक्षाधिकारी को 1000 घरों को इस योजना से आच्छादित करने का लक्ष्य दिया गया है। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारत सरकार की इस महात्वाकांक्षी योजना के अन्तर्गत निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अधिक उपभोक्ताओ को योजना के सम्बन्ध मे जानकारी पहुँचाकर अच्छादित करें। बताया कि पीएम सूर्यघर पोर्टल की वेबसाइट पर जाकर अथवा पीएम सूर्यघर एप्प स्मार्ट फोन पर डाउनलोड कर प्रकियानुसार आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि अपने कार्य क्षेत्र के अन्तर्गत लाभार्थियों को प्रेरित कर आवेदन कराना सुनिश्चित करें।

756 दिव्यांगों को नहीं मिलेगी पेंशन की दूसरी किश्त

चित्रकूट (आरएनएस)। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी प्रियंका यादव ने बताया कि जिन दिव्यांगजनों ने अभी तक दिव्यांग पेंशन में अपना आधार प्रमाणीकरण नहीं कराया एवं बैंक खाते में आधार नहीं जोड़ा गया है उन सभी की दिव्यांग पेंशन की द्वितीय किस्त विभाग द्वारा प्रेषित नहीं की जाएगी। अभी तक जनपद के 756 दिव्यांगों द्वारा विकास भवन में अपना आधार कार्ड नहीं उपलब्ध कराया गया है और 557 दिव्याँगजनों ने बैंक में खाता आधार से लिंक नहीं कराया। इस कारण अभी तक इनकी पेंशन की धनराशि प्रेषित नहीं की जा रही है। सभी दिव्यानगजनों से अपील किया कि जल्द विकास भवन आकर अपना आधार प्रमाणीकरण करा लें। साथ ही अपने बैंक खाता से आधार लिंक कराएं। ताकि दिव्यांग पेंशन का लाभ प्राप्त हो सके।

चुनाव आयोग के दिशा निर्देशों के अनुपालन में उप चुनाव संपन्न कराए,

प्रतापगढ़। नगर पालिका परिषद बेल्हा के अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन को जनपद में शांतिपूर्ण, सुचिता पूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव रंजन के कुशल निर्देशन में सेंट एंथोनी इंटर कॉलेज में 310 पीठासीन

➤ उप निर्वाचन कार्य में शिथिलता या पक्षपात होने पर होगी कठोर कार्यवाही–सीडीओ

पीठासीन एवं प्रथम मतदान अधिकारियों को सेन्ट एन्थोनी इण्टर कालेज में दिया गया प्रशिक्षण

अधिकारी एवं प्रथम मतदान अधिकारियों का प्रथम प्रशिक्षण संपन्न हुआ जिसमें सुपर मास्टर ट्रेनर प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कालेज रामपुर कांपा डॉ विंध्याचल सिंह, उप प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कालेज डॉ0 मो अनीस एवं एआरपी धर्मेंद्र कुमार ओझा और अशोक शुक्ला, नसीमुद्दीन द्वारा निर्वाचन की महत्वपूर्ण प्रक्रिया के बारे में विस्तार पूर्वक पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से तथा मत पेटिका को खोलने और बंद करने तथा सील करने के बारे में विस्तार पूर्वक बताया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी अधिकारी कार्मिक डा0 दिव्या मिश्रा ने मतदान कार्मिकों को निर्देशित किया कि जनपद में यह उप चुनाव नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण है। मोबाइल फोन सभी मतदान केंद्रों पर पूर्णतया प्रतिबंधित है। कोई भी मतदाता या एजेंट मोबाइल फोन लेकर मतदान केंद्र पर नहीं जाएगा। उन्होने कहा कि उप निर्वाचन कार्य में शिथिलता या पक्षपात होने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा ने कहा कि अनुपस्थित मतदान कार्मिकों के विरुद्ध आयोग के नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सभी मतदान कार्मिक मतदान प्रक्रिया को अच्छी तरह से समझ ले ताकि निर्वाचन प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न न हो। सुपर मास्टर ट्रेनर डॉ मोहम्मद अनीस ने मतपत्र लेखा, पीठासीन एवं मतदान अधिकारियों के कार्य एवं दायित्व के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। धर्मेंद्र कुमार ओझा ने सांविधिक एवं आसांविधिक लिफाफों एवं अन्य महत्वपूर्ण प्रपत्रों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी कृष्ण कुमार, बीईओ मुख्यालय शिव बहादुर मौर्य सहित रणवीर सिंह, नीरज मिश्रा, राहुल शर्मा, बृजेश चंद्र तिवारी, कुलदीप सिंह आदि उपस्थित रहे।

को आप पूरे मनोयोग के साथ प्राप्त करें। निर्वाचन प्रक्रिया संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान मास्टर ट्रेनर से जरूर प्राप्त कर ले और उनसे उनका मोबाइल नंबर प्राप्त कर ले, इस उप निर्वाचन को हमें पूर्ण ईमानदारी, निष्ठा एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है। हमें निर्वाचन आयोग के बताए गए दिशा निर्देशों का पालन पूरी तरह से करना

पुलिस के समक्ष सह अभियुक्त का बयान वैध साक्ष्य नहीं, हेरोइन तस्कर को किया आरोप मुक्त

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि पुलिस के समक्ष सह अभियुक्त का कबूलनामा वैध साक्ष्य नहीं है। ट्रायल के दौरान आरोपी के विरुद्ध इसका इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह टिप्पणी कर सह अभियुक्त के कबूलनामे के अलावा अन्य साक्ष्य उपलब्ध नहीं होने के आधार पर पुनरीक्षणकर्ता याची अजय कश्यप को एनडीपीएस एक्ट मामले से बरी कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति आरएमएन मिश्र की अदालत ने दिया। गाजीपुर निवासी अजय पर हेरोइन बरामदगी मामले में एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया था। अपर सत्र न्यायाधीश गाजीपुर के दोषमुक्ति अर्जी खारिज किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में आपराधिक पुनरीक्षण अर्जी दाखिल की। याची के अधिवक्ता डीएस मिश्र, कनिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मिश्र, चंद्र केश मिश्र ने दलील दी कि याची को मौके से नहीं पकड़ा गया था और न ही उसके पास से मादक पदार्थ बरामद किया गया था। गिरफ्तार किए गए सह अभियुक्त के बयान के आधार पर याची को फंसाया गया है। सह अभियुक्त याची का बेटा है। दोषमुक्ति अर्जी पर न्यायालय केवल देखेगी कि उपलब्ध साक्ष्यों व प्रावधानों के तहत प्रथमदृष्टया आपराधिक केस बनता है या नहीं। लेकिन, इस मामले में इसका पालन नहीं किया गया। पुलिस के समक्ष सह आरोपी के बयान के आधार पर याची की दोषमुक्ति अर्जी खारिज कर दी। जबकि, बयान के अलावा याची के विरुद्ध कोई साक्ष्य नहीं है। कोर्ट ने कहा पुलिस के समक्ष कबूलनामा वैध साक्ष्य नहीं है। याची के खिलाफ अन्य साक्ष्य न होने के कारण वह आरोप मुक्त किए जाने योग्य है। कोर्ट ने याची को आरोप मुक्त कर दिया।

डेढ़ लाख पौधों से हरा-भरा होगा महाकुंभनगर, श्रद्धालुओं का स्वागत करेंगे खूबसूरत पौधे

प्रयागराज। महाकुंभ में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को इस बार स्पेशल हाईडेंसिटी ऑक्सीजन फॉरेस्ट का आनंद मिलने जा रहा है। डेढ़ लाख पौधों से महाकुंभनगर को इस तरह संवारा जा रहा है, जिससे देश विदेश से यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को पर्याप्त प्राणवायु तो मिले ही, साथ ही प्रकृति की खूबसूरती देखकर इस बार का महाकुंभ यादगार बन जाए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभनगर के प्रमुख चौराहों के साथ साथ यहां आने वाले प्रमुख राजमार्गों को भी प्राकृतिक रूप से सजाने संवारने का काम चल रहा है। डीएफओ प्रयागराज अरविंद कुमार यादव बताते हैं कि महाकुंभ को दिव्य, नव्य और भव्य बनाने की तैयारी चल रही है। इसके तहत कुल 149,620 पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। जिसमें 137,964 पौधे अभी तक लगाए भी जा चुके हैं। 10 दिसंबर तक महाकुंभ में पौधारोपण का 100 प्रतिशत कार्य पूरा हो जाएगा। सबसे खास बात तो यह है कि महाकुंभ में प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं का स्वागत 50 हजार खूबसूरत पौधे करेंगे। जिनकी सुंदरता देखकर देशी विदेशी पर्यटक खासे उत्साहित नजर आएंगे। हरित महाकुंभ को तैयार करने में वन विभाग की टीम युद्धस्तर की तैयारी कर रही है। पूरे महाकुंभनगर में हर सड़क हर चौराहे पर खूबसूरत पौधे लगाने का काम चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले ही महाकुंभनगर पूरी तरह से हरा भरा नजर आएगा। प्रयागराज में वन विभाग के आईटी हेड आलोक कुमार पांडेय ने बताया कि महाकुंभनगर के अंदर तथा शहर को जोड़ने वाले प्रवेश और निकास मार्गों को शोभाकर पौधों से सजाया जा रहा है। यहां थीमैटिक रोपण कर 50 हजार सीमेंट गार्ड, 10 हजार गोल आयरन ट्री गार्ड, 2500 चौकोर आयरन गार्ड सहित तमाम कार्य किए जा रहे हैं। सरस्वती हाईटेक सिटी में एक हाईडेंसिटी ऑक्सीजन फॉरेस्ट विकसित किया जा रहा है। यह ऑक्सीजन बैंक और नगर वन के रूप में कार्य करेगा। सरस्वती हाइटेक सिटी के अंतर्गत 20 हेक्टेयर में 87120 पौधे लगाए जा रहे हैं, जो देश विदेश से आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे। 18 मार्गों पर 190 किलोमीटर के दायरे में सजाए जा रहे पौधे योगी सरकार के निर्देश पर महाकुंभनगर में 18 मार्गों पर 190 किलोमीटर के दायरे में करीब 50 हजार पौधे लगाए जाने का काम चल रहा है। महाकुंभनगर के शहरी क्षेत्र में 2500 पौधे लगाए जा चुके हैं। 50 हजार पौधे प्रमुख रूप से प्रयागराज–अयोध्या मार्ग, प्रयागराज–वाराणसी मार्ग के साथ ही लखनऊ, मिर्जापुर, रीवा और बांदा समेत 18 मार्गों पर लगाने का काम चल रहा है। गंगा तटीय क्षेत्र में लगाए जा रहे 10 हजार पौधे गंगा तटीय क्षेत्र में 10 हजार पौधे लगाए जा रहे हैं। विशेष तौर पर झूंसी, अरैल और फाफामऊ के किनारे, पक्का घाट पर सजावट का काम चल रहा है। महाकुंभनगर के शहरी क्षेत्र, पक्का घाट से लेकर हाईटेक सिटी तक करछना रेंज में विभिन्न प्रकार की प्रजातियों के पौधे लगाए जा रहे हैं, जिसमें गोल्ड मोहर, कचनार और अमलतास के पौधे करीब ढाई हजार की संख्या में लगाए गए हैं। गंगा नदी के किनारे पूरे तटीय क्षेत्र को हरा भरा किया जा रहे है। हरित महाकुंभ के अंतर्गत महाकुंभनगर में पौधारोपण के तमाम विकास कार्य चल रहे हैं। गंगा नदी के किनारे खासकर बाएं तटीय क्षेत्र में अर्जुन के 3000 पौधे लगाए जा रहे हैं। वहीं, प्रयाग व सोरांव क्षेत्र के साथ संगम गंगा यमुना के दक्षिणी तट पर गोल्ड मोहर और कंजी के पौधे लगाए जा रहे हैं। करछना रेंज में 2000 पौधे लगा रहे हैं। साथ ही गंगा नदी के किनारे तटीय क्षेत्र, झूंसी, ककरा–लीलापुर संपर्क मार्ग फूलपुर में अर्जुन और कचनार के 1700 पौधे लगाए जा रहे हैं। वहीं, फाफामऊ–सहसों–हनुमानगंज मार्ग व प्रयागराज–गोरखपुर मार्ग–फूलपुर मार्ग पर अर्जुन पीपल के 1800 पौधे लगाए जा रहे हैं।

मुट्ठीगंज के कारोबारी ने रिवॉल्वर से खुद को मारी गोली, दुकान के केबिन में कर ली आत्महत्या

प्रयागराज। मुट्ठीगंज के आर्यकन्या इंटर कॉलेज के पास रहने वाले कारोबारी अमित कुमार जायसवाल (37) ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना को लाइसेंसी रिवॉल्वर से अंजाम दिया गया। मुट्ठीगंज में रामकृष्ण मिशन के सामने कारोबारी कालका जायसवाल का मकान है। उनका छोटा बेटा अमित जायसवाल पानी की बोतल और केक बेचने का कारोबार करता है। उनका दो साल का बेटा है। रोजाना की तरह बृहस्पतिवार को भी अमित काम पर थे। इसी बीच दुकान में बनी केबिन में उन्होंने खुद को गोली से उड़ा लिया। गोली की आवाज सुनकर अमित के भाई मनोज मौके पर पहुंचे। फर्श पर भाई को खून से लथपथ देखकर उनके होश उड़ गए। आननदृफानन उन्हें एसआरएन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने अमित को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रिवॉल्वर को कब्जे में लेकर छानबीन में जुट गई। मोबाइल और रिवॉल्वर को कब्जे में लिया जांच में पता चला कि कनपटी पर गोली लगने के कारण अमित की मौत हुई है। वहीं, मुट्ठीगंज थाना प्रभारी सुनील कुमार बाजपेयी ने बताया कि अमित का मोबाइल फोन कब्जे में लिया गया है। घटना से पहले उन्होंने किससे बात की है, इसे खंगाला जा जा रहा है। अबतक की जांच में आत्महत्या के कारणों का पता नहीं लगा है। जांच में पता चला है कि रिवॉल्वर लाइसेंसी था।

कपड़े उतरवाकर चेकिंग करने पर भड़के एलएलबी के छात्र, डिग्री कॉलेज पर किया जमकर बवाल, मारपीट

प्रयागराज। झूंसी थाना क्षेत्र के रामापुर पटेल नगर इलाके में स्थित कामता सिंह पीजी कॉलेज में छात्रों ने जमकर बवाल किया। एलएलबी के छात्रों का आरोप है कि परीक्षा कक्ष में जाने से पहले परीक्षार्थियों के कपड़े उतरवाकर चेकिंग की गई। इसका तमाम छात्रों ने विरोध किया तो कॉलेज के लोगों ने छात्रों के साथ अभद्रता की। इसको लेकर छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित छात्रों ने कॉलेज प्रबंधक के बेटे को जमकर पीट दिया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहंच गई है। कामता सिंह पीजी कॉलेज में शुक्रवार को एलएलबी की परीक्षा आयोजित की गई थी। बड़ी संख्या में छात्र परीक्षा देने के लिए पहुंचे थे। छात्रों का आरोप है कि परीक्षा कक्ष में जाने से पहले छात्रों की तलाशी ली जा रही थी। विवाद उस समय बढ़ गया जब तलाशी ले रहे कॉलेज स्टाफ के शिक्षक और अन्य कर्मचारियों ने परीक्षार्थियों के कपड़े उतरवाने शुरू कर दिए। पूरे कपड़े उतरवाकर चेकिंग करने पर छात्रों ने जब आपत्ति दर्ज की तो उनके साथ अभद्रता की गई। इसके बाद छात्रों का गुस्सा फूट गया और वह हंगामा करने लगे। इससे अफरातफरी मच गई। उधर, कुछ छात्रों का कहना है कि परीक्षा कक्ष में जाने से पहले छात्रों के सुविधा शुल्क के नाम पर वसूली की जा रही थी। छात्रों ने इसके विरोध में हंगामा किया। इस दौरान मारपीट की भी शिकायत मिली। छात्रों ने कॉलेज के प्रबंधक हरिश्चंद्र के बेटे नीरज पटेल की जमकर पिटाई कर दी। आरोप है कि नीरज ने ही पहले छात्र रोहित यादव की पिटाई की थी। हंगामे की सूचना पर झूंसी थानाध्यक्ष उमेश प्रताप सिंह मौके पर पहुंच गए। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। अवैध वसूली और कपड़े उतराकर चेकिंग दोनों बिंदुओं पर पुलिस छानबीन कर रही है। कई छात्रों का बयान दर्ज किया गया है। उधर, कॉलेज प्रशासन ने छात्रों के आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

मिलावटी दूध एवं सरसों तेल की हो रही थी बिक्री, 55 दुकानदारों पर 13 लाख का लगा जुर्माना

प्रयागराज। जांच में मिलावटी दूध तथा सरसों तेल की बिक्री की पुष्टि हुई है। इस पर डेयरी संचालक पर 50 हजार तथा सरसों तेल विक्रेता पर 60 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही खराब खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वाले कुल 55 दुकानदारों पर 13 लाख 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधी प्रशासन विभाग की ओर से अलग–अलग समय पर खाद्य पदार्थों के संदिग्ध नमूने एकत्र कर जांच के लिए भेजे गए थे। जांच में 55 नमूने अधोमानक पाए गए। इसके बाद एडीएम सिटी ने सुनवाई के बाद इनके खिलाफ अर्थदंड लगाया है।सबसे अधिक 60 हजार रुपये का जुर्माना एलनगंज के तेल के व्यवसायी सुधीर कुमार गुप्ता पर लगाया गया है। वहीं प्रतापगढ़ के दूध विक्रेता महेंद्र मनजीत पटेल पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। इनके अलावा खाद्य पदार्थों की बिक्री पर नैनी के लाला पाल, इमामंगज–हंडिया राकेश कुमार, हिम्मतगंज के मनीष कुमार, मेजा रोड के सुधीर कुमार गुप्ता, पीपलगांव की निर्मला साहू, कर्नलगंज विजय कुमार केसरवानी, फाफामऊ के रंजीत कुमार, सैदपुर के वीरेंद्र कुमार पाल, साहित्य सम्मेलन मार्ग के सुजीत गुप्ता, आंबेडकर नगर के प्रवीण कुमार सिंह, मुट्ठीगंज के संतोष कुमार केसरवानी, नैनी के शाहबाज, मालवीय नगर की नीलम पुरवार, मलावा खुर्द के विमलेश कुमार, घूरपुर के विकास कुमार पटेल, खीरी के कपिल देव, झलवा के अजय यादव, दारागंज के संजय वैश्य, अटरामपुर के सुशील कुमार, हंडिया के शारदा डेयरी शामिल हैं। इसी तरह कर्नलगंज के मोहम्मतद सुल्तान, मुट्ठीगंज के राजेश कुमार मालवीय, फुलवरिया जसरा के आशुतोष कुमार मौर्या, मऊआइमा के राम लखन, कर्नलगुज के दीप्तिमान घोष, नवाबगंज के शंकर लाल, कनिहार के शंकर लाल गुप्ता, पीपलगांव के मोनू, धनुपुर के मुरलीधर, जुगनीडीह–सिकंदरा के राम जनम यादव, झूंसी के विकास शर्मा, मऊआइमा के सुनील कुमार केसरवानी, फाफामऊ के नवीन कुमार पाल, धूमनगंज के संजय जायसवाल, मटियारा रोड के अजीत कुमार गुप्ता, कर्नलगंज के मो.सद्दाम, मो.साजिद, घूरपुर के उदयराज यादव, कोरांव के वासदेव सिंह, चौक के संदीप गुप्ता है। इसके अलावा नार्थ मलाका के सगीर अहमद, हनुमानगंज के कमलेश यादव, सिविल लाइंस के सचिन अग्रवाल, इरादतगंज के आदित्य गुप्ता, दारागंज के सुमित कुमार यादव, बारा के श्यामू यादव, चौक के मेसर्स हैदरी, मुट्ठीगंज के मुन्ना अन्न भंडार, हिंदी साहित्य सम्मेलन की पुनीता, कटरा के उमेश चंद्र चौरसिया, नूरुल्लाह रोड के धर्मेंद्र कुमार केसरवानी तथा नैनी के पंचमलाल केसरवानी पर अर्थदंड लगाया गया है। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सुशील कुमार सिंह ने बताया कि 30 दिन के भीतर अर्थदंड जमा नहीं करने पर आरसी जारी कर वसूली की कार्रवाई की जाएगी।

महाकुंभ में प्रयागराज से वाराणसी के बीच 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेंगी ट्रेनें

प्रयागराज। महाकुंभ के पहले भारतीय रेलवे ने सनातन संस्कृति के दो महत्वपूर्ण केंद्र प्रयागराज और वाराणसी के बीच की यात्रा को और अधिक तेज और सुगम बनाने का महत्वपूर्ण कार्य पूरा कर लिया है। डबल इंजन सरकार के मार्गदर्शन और प्रेरणा से प्रयागराज और वाराणसी के बीच के ट्रैक दोहरणीकरण का कार्य अंतिम चरण में है। इस कार्य की महत्वपूर्ण कड़ी गंगा रेल ब्रिज का निर्माण कार्य भी पूरा हो चुका है। महाकुम्भ के दौरान इस ट्रैक से ट्रेनों का परिचाल शुरू हो जाएगा। ट्रैक दोहरीकरण के बाद प्रयागराज से वाराणसी के बीच ट्रेनों के परिचालन की औसत गति 100 से 130 किलोमीटर प्रतिघंटा हो जाएगी। 08 दिसंबर को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के निरीक्षण के बाद प्राधनमंत्री अपनी यात्रा के दौरान इस परियोजना का शुभारंभ करेंगे। महाकुंभ 2025 को दिव्य,भव्य, सुरक्षित और सुगम बनाने में केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार कोई कसर बाकी नहीं रखना चाहती। महाकुंभ 2025 में देश के कोने–कोने से लगभग 40 करोड़ श्रद्धालुओं के प्रयागराज आने का अनुमान है। ऐसे में भारतीय रेलवे की भी महाकुम्भ 2025 को लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। इसी दिशा में रेलवे ने वारणसी प्रयागराज रेल लाइन दोहरीकरण और गंगा रेल ब्रिज का काम पूरा कर लिया है। इस परीयोजना का निरक्षण कार्य ट्राली ट्रायल रन के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव स्वयं आठ दिसंबर को करेंगे। 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने प्रयागराज दौर पर महाकुंभ के निर्माण कार्यों के निरीक्षण और उद्घाटन के साथ इस परियोजना का शुभारंभ भी करेंगे। प्रयागराज और वाराणसी के बीच रेल ट्रैक के दोहरीकरण हो जाने से इस रूट पर अब ट्रेनें 100 से 130 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकेंगी। वंदे भारती जैसी अत्याधुनिक ट्रेन से प्रयागराज से वाराणसी के बीच की दूरी को एक से सवा घंटे में पूरा किया जा सकेगा। गंगा रेल ब्रिज और प्रयागराज, वाराणसी रेल ट्रैक दोहरीकरण का कार्य भारतीय रेलवे के संगठन आरवीएनएल ने किया है।

चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्तिक्यों नहीं दी, हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी, शिक्षा निदेशक से मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि शिक्षा निदेशक माध्यमिक उत्तर प्रदेश बताएं कि चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति क्यों नहीं दी गई है। न्यायालय ने कहा कि 16 दिसंबर तक निदेशक व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर जवाब देंगे अन्यथा उन्हें व्यक्तिगत रूप से बुलाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की पीठ ने प्रदीप कुमार सिंह एवं 15 अन्य और गौरव कुमार की याचिका पर दिया है। याची प्रदीप व गौरव ने बताया कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड प्रयागराज की ओर से टीजीटी 2013 भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। विज्ञपित पदों की संख्या घटाकर अंतिम परिणाम घोषित किया गया। इसके खिलाफ उम्मीदवारों ने याचिका दाखिल की। न्यायालय के आदेश पर चयन बोर्ड ने 2019 में 1167 चयनित उम्मीदवारों का अवशेष पैनल जारी किया। इसमें लगभग 860 उम्मीदवारों को नियुक्ति दे दी गई। लेकिन लगभग 307 उम्मीदवारों

को नियुक्ति पत्र नहीं दिया गया। इसके खिलाफ ही उम्मीदवारों ने याचिका दाखिल की है। गौरव कुमार की याचिका में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के अधिवक्ता तनुज साही ने न्यायालय को बताया कि चयनित उम्मीदवारों की नियुक्त क्यों नहीं की गई इसका जवाब देने के लिए शिक्षा निदेशक सक्षम प्राधिकारी हैं। रिट–ए 839/2023 में एक बहुत विस्तृत आदेश पारित किया गया था, लेकिन शिक्षा निदेशक ने कोई जवाब नहीं दिया। न्यायालय ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि याचियों का चयन उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड प्रयागराज ने वर्ष 2019 में सहायक अध्यापक, एलटी ग्रेड के पद पर किया, लेकिन नियुक्ति दी। न्यायालय ने नोटिस जारी कर शिक्षा निदेशक से जवाब मांगा है। न्यायालय ने रजिस्ट्रार (अनुपालन) को आदेश दिया कि 48 घंटे के भीतर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, लखनऊ के माध्यम से शिक्षा निदेशक (माध्यमिक), यूपी, लखनऊ को सूचित किया जाए। अलीगढ़ निवासी पंकज कुमार व अन्य चार ने इसी मामले में याचिका दाखिल की है, जो रिट ए 839 2023 से कनेक्ट है। हम लोग अवशेष पैनल में चयनित उम्मीदवार हैं। पंकज का कहना है कि नियुक्ति के लिए तीन दिसंबर को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन बोर्ड प्रयागराज को ज्ञापन दिया था। लेकिन हमें नियुक्ति पत्र नहीं दिया जा रहा है। ज्ञापन के बाद भी बोर्ड ने कोई कार्रवाई नहीं की है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा सुनिश्चित करे सरकार, हमले नहीं रुके तो नागा संन्यासी करेंगे कूच

प्रयागराज। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं, बौद्धों और सिखों पर हो रहे लगातार हमले और हिंसा के खिलाफ पूरे देश में उबाल है। साधु –संतों की सबसे बड़ी संस्था आखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ बृहस्पतिवार को केंद्र की मोदी सरकार को चेताया। साधु –संतों ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले बंद न हुए तो नागा संन्यासी महाकुंभ के बाद बांग्लादेश कूच करेंगे। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी के मुताबिक बांग्लादेश के मुद्दे पर अखाड़ा परिषद ने आठ और नौ दिसंबर को निरंजनी अखाड़े में बैठक बुलाई है। इस बैठक में सभी अखाड़ों के साधु संत मिलकर बांग्लादेश की समस्या पर विचार विमर्श करेंगे। जिसके बाद एक प्रस्ताव तैयार करेंगे। यह प्रस्ताव देश के गृह मंत्री अमित शाह को भेजा जाएगा। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहा है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की बहन बेटियों पर जुल्म हो रहे है। उनके साथ बलात्कार किया जा रहा है। वहां पर सनातनियों और गैर सनातनियों के अलग–अलग नियम बना दिए गए हैं। जिससे सनातनियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। महंत रवींद्र पुरी ने कहा है कि प्रस्ताव के जरिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से पूरे मामले में दखल दिए जाने की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी अगर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हिंसा नहीं रुकी तो महाकुंभ के बाद बड़ी संख्या में नागा संन्यासी बांग्लादेश कूच करेंगे।

प्रधानमंत्री के लिए संगम पर तैयार होने लगी जेटी, संगम नोज पर गंगा पूजन कर करेंगे महाकुंभ की शुरुआत

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गंगा पूजन कर महाकुंभ की शुरुआत करेंगे। इसके लिए जेटी तैयार होने लगी है। संगम नोज पर समतलीकरण के साथ नदी में आधार तैयार करने का काम भी बृहस्पतिवार को शुरू हो गया। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर फ्लोटिंग जेटी का भी इंतजाम किया गया है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर जेटी एवं पंडाल समेत संगम का बड़ा इलाका तीन दिन पहले ही एसपीजी की सुरक्षा घेरे में आ जाएगा। निर्धारित दूरी तक आवागमन भी प्रतिबंधित रहेगा। इससे पहले ही जेटी एवं पंडाल तैयार किया जाना है। प्रधानमंत्री 13 दिसंबर को प्रयागराज आ रहे हैं। विशेष यान से बमरौली एयरपोर्ट पर आएंगे। प्रधानमंत्री वहां से अरैल हेलिकॉप्टर से आएंगे। इसके बाद निषादराज क्रूज से वह संगम भ्रमण करेंगे। इसी क्रम में प्रधानमंत्री गंगा पूजन कर महाकुंभ–2025 की शुरुआत करेंगे। गंगापूजन के लिए जेटी तैयार की जा रही है। पूजन में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा कई अन्य केंद्रीय एवं राज्य के मंत्री तथा अफसर भी शामिल रहेंगे। इसे ध्यान में रखकर जेटी को आकार दिया जा रहा है। संगम नोज पर गंगा की तरफ समतलीकरण के कार्य को अंतिम रूप दिया गया। जेटी के लिए आधार तैयार करने का काम भी शुरू हो गया। इसी से कुछ दूरी पर प्रधानमंत्री की सभा के लिए पंडाल तैयार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री इस मौके पर साढ़े छह हजार करोड़ रुपये की निर्माण परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। बताया जा रहा है कि चूंकि पूरा इलाका तीन दिन पहले एसपीजी की सुरक्षा घेरा में आ जाएगा। इसलिए संगम नोज पर जेटी लगाने तथा पंडाल का निर्माण कार्य 10 दिसंबर से पहले तैयार हो जाएगा। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर मेला प्रशासन की ओर से एक दिन पहले पूर्वाभ्यास की भी तैयारी की गई है। पंडाल में दो डायस होंगे। एक डायस प्रधानमंत्री के लिए सुरक्षित होगा। ऐसे में रिहर्सल भी दूसरे डायस से ही होगा। प्रधानमंत्री से अरैल से किला घाट तक निषादराज क्रूज से लाने की तैयारी है। इसके अलावा सड़क मार्ग से भी उनके आने की संभावना है। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर पूर्वाभ्यास किया जाएगा। उसी के अनुसार तैयारियों को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। हर स्तर पर होगी सुरक्षा, हेलीकॉप्टर से निगरानी शुरू प्रधानमंत्री के लिए जमीन के साथ हवा और जल में भी सुरक्षा चक्र तैयार किया जा रहा है। संगम से अरैल तक गंगा एवं यमुना दोनों ही नदियों में सुरक्षा घेरा रहेगा। सुरक्षा की दृष्टि से शहर नो फ्लाइंग जोन भी रहेगा। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल की बृहस्पतिवार को आसमान से निगरानी भी शुरू हो गई। सेना के तीन हेलीकॉप्टर ने दो बार संगम तथा आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री शृंग्वेरपुर धाम में बने निषादराज पार्क, भगवान राम और निषादराज की गले मिलते प्रतिमा तथा घाट का लोकार्पण करेंगे। वह गंगा रिवर फ्रंट रोड समेत अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे। इसके लिए प्रधानमंत्री के शृंग्वेरपुर जाने का भी कार्यक्रम प्रस्तावित है। हालांकि, अभी तक पीएमओ से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर कुछ आया नहीं है। ऐसे में प्रधानमंत्री के शृंग्वेरपुर जाने को लेकर आशंकाएं भी उठने लगी हैं। यदि प्रधानमंत्री शृंग्वेरपुर नहीं जाते हैं तो वहां की निर्माण परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास संगम नोज पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान ही करेंगे। हालांकि, प्रशासन की ओर से प्रधानमंत्री के संभावित कार्यक्रम को देखते हुए शृंग्वेरपुर में भी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री के आगमन से पहले शहर के सभी सरकारी भवनों को सजाया जाएगा।

उत्तर मध्य रेलवे

No. GSU-II-PRYJ-15&16-2024 दिनांकः 03.12.2024

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियन्ता-II/जी.एस.यू./प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे के अधीन निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु ई-निविदायें आमंत्रित करते हैं (**द्वारा खुली निविदा - एक पैकेट प्रणाली**)। बोली लगाने वाले अपने मूल/संशोधित बिड्स समाप्ति तिथि एवं समय तक मात्र जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और प्राप्त किसी ऐसे मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा।

क्र.सं.	निविदा संख्या	अनुमानित लागत	धरोहर धनराशि	निविदा फार्म का मूल्य
1	GSU-II-PRYJ-15-2024	90.88 लाख	1,81,800/-	0.00/-

कार्य का विवरण: उप मुख्य इंजीनियर-II/जी.एस.यू. प्रयागराज के अन्तर्गत प्रयागराज मंडल में GQ/GD मार्गों के अलावा अन्य 14 एलसी के बदले में आरओबी/आरयूबी के निर्माण के लिए व्यवहार्यता अध्ययन सर्वेक्षण और DPR की तैयारी।

खुलने की तिथि: 27.12.2024 15:00 Hrs.		**कार्य समापन अवधि:** 06 महीने	
2	GSU-II-PRYJ-16-2024	3.20 करोड़	3,10,100/-	0.00/-

कार्य का विवरण: उप मुख्य इंजीनियर-II/जी.एस.यू. प्रयागराज के अन्तर्गत विभिन्न आरओबी/आरयूबी कार्यों के संबंध में विभिन्न मिट्टी जांच परीक्षण, प्रारंभिक परीक्षण, पाइल का निर्माण और लोड परीक्षण, संरचनात्मक डिजाइन और ड्रूइंग, भूमि अधिग्रहण और अन्य कार्य करना।

खुलने की तिथि: 27.12.2024 15:00 Hrs.	**कार्य समापन अवधि:** 08 महीने

नोटः 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) **https://www.ireps.gov.in** पर निर्धारित तिथि तक **15:00 बजे** तक उपलब्ध रहेगा। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको **I.T. Act-2000** के अन्तर्गत **CCA** द्वारा जारी **Class-III, Digital** हस्ताक्षर प्रमाण-पत्र के साथ **IREPS** की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर, यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4.संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए **IREPS** की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2081/24 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. **UPHIN/2007/22706** रजि.नं. **AD-32/2008-09** ईमेलः **amritkt.alld@gmail.com** फोन नं. : **9453273951, 8799627062**